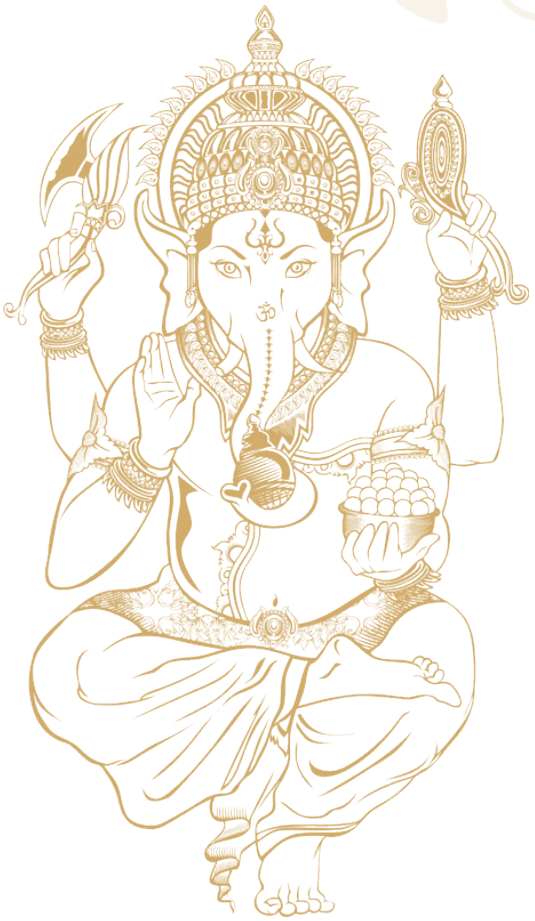

Mr.

27 May 1996

06:30 AM

Rai Bareilly

Model: web-freekundliweb

Order No: 120964304

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**27/05/1996**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**06:30:00 घंटे**
इष्ट	03:10:28 घटी
स्थान	**Rai Bareilly**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:16:00 उत्तर
रेखांश	81:16:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:04:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:25:04 घंटे
वेलान्तर	00:02:52 घंटे
साम्पातिक काल	22:44:32 घंटे
सूर्योदय	05:13:48 घंटे
सूर्यास्त	18:50:39 घंटे
दिनमान	13:36:50 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	12:13:23 वृष
लग्न के अंश	00:08:17 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	वज्र
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टे-टेस्टी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	00:08:17	340:10:16	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	---
सूर्य			वृष	12:13:23	00:57:35	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	28:35:02	12:26:41	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	मंगल	मित्र राशि
मंगल			मेष	24:12:20	00:43:51	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	स्वराशि
बुध	व		मेष	25:51:44	00:03:20	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	सम राशि
गुरु	व		धनु	23:04:15	00:04:04	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	स्वराशि
शुक्र	व		मिथु	03:33:58	00:16:23	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
शनि			मीन	11:20:57	00:04:49	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	सम राशि
राहु			कन्या	22:06:36	00:01:22	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	मूलत्रिकोण
केतु			मीन	22:06:36	00:01:22	रेवती	2	27	गुरु	बुध	सूर्य	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मक	10:38:27	00:00:53	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
नेप	व		मक	03:44:45	00:00:51	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	07:48:38	00:01:39	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	---
दशम भाव			कुंभ	15:45:45	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:28

लग्न-चलित

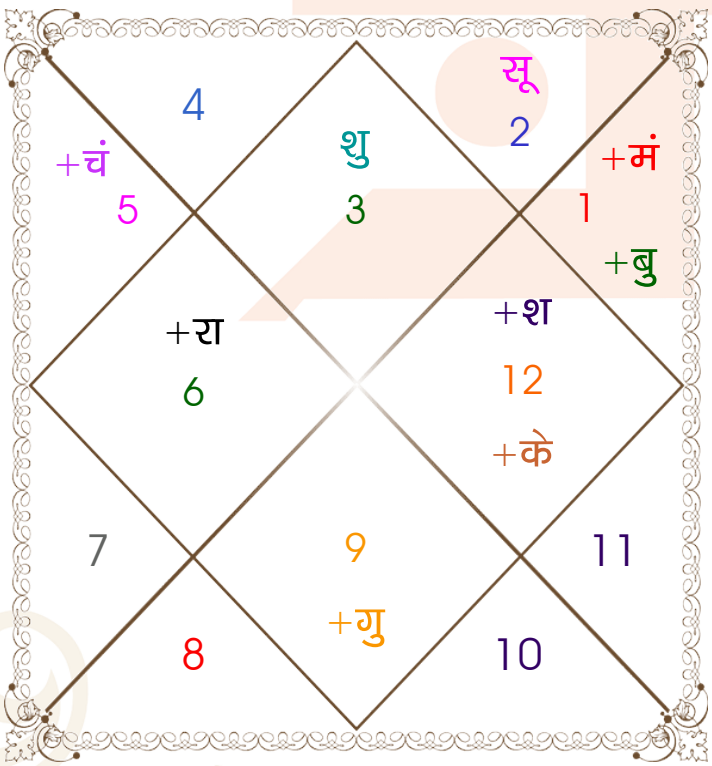

चन्द्र कुंडली

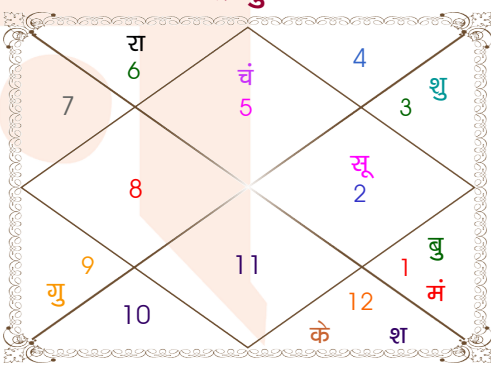

नवमांश कुंडली

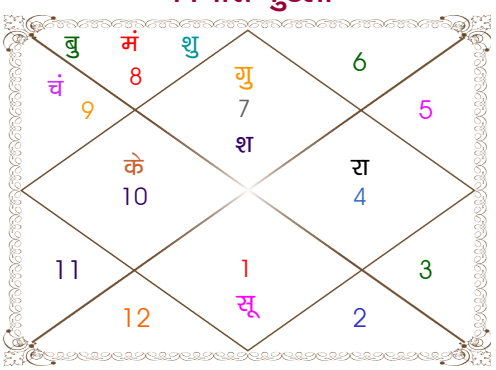

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 5 वर्ष 1 मास 19 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
27/05/1996		16/07/2001		17/07/2011		16/07/2018		16/07/2036	
16/07/2001		17/07/2011		16/07/2018		16/07/2036		16/07/2052	
	00/00/0000	चंद्र	17/05/2002	मंगल	13/12/2011	राहु	29/03/2021	गुरु	03/09/2038
	27/05/1996	मंगल	16/12/2002	राहु	30/12/2012	गुरु	22/08/2023	शनि	16/03/2041
मंगल	09/09/1996	राहु	15/06/2004	गुरु	06/12/2013	शनि	28/06/2026	बुध	22/06/2043
राहु	03/08/1997	गुरु	15/10/2005	शनि	15/01/2015	बुध	15/01/2029	केतु	28/05/2044
गुरु	23/05/1998	शनि	17/05/2007	बुध	12/01/2016	केतु	02/02/2030	शुक्र	27/01/2047
शनि	05/05/1999	बुध	15/10/2008	केतु	09/06/2016	शुक्र	02/02/2033	सूर्य	15/11/2047
बुध	10/03/2000	केतु	16/05/2009	शुक्र	09/08/2017	सूर्य	27/12/2033	चंद्र	16/03/2049
केतु	16/07/2000	शुक्र	15/01/2011	सूर्य	15/12/2017	चंद्र	28/06/2035	मंगल	20/02/2050
शुक्र	16/07/2001	सूर्य	17/07/2011	चंद्र	16/07/2018	मंगल	16/07/2036	राहु	16/07/2052

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
16/07/2052		17/07/2071		16/07/2088		17/07/2095		18/07/2115	
17/07/2071		16/07/2088		17/07/2095		18/07/2115		00/00/0000	
शनि	20/07/2055	बुध	12/12/2073	केतु	12/12/2088	शुक्र	15/11/2098	सूर्य	04/11/2115
बुध	29/03/2058	केतु	09/12/2074	शुक्र	11/02/2090	सूर्य	15/11/2099	चंद्र	05/05/2116
केतु	08/05/2059	शुक्र	09/10/2077	सूर्य	19/06/2090	चंद्र	17/07/2101	मंगल	28/05/2116
शुक्र	07/07/2062	सूर्य	16/08/2078	चंद्र	18/01/2091	मंगल	16/09/2102		00/00/0000
सूर्य	19/06/2063	चंद्र	15/01/2080	मंगल	16/06/2091	राहु	16/09/2105		00/00/0000
चंद्र	18/01/2065	मंगल	11/01/2081	राहु	04/07/2092	गुरु	17/05/2108		00/00/0000
मंगल	26/02/2066	राहु	01/08/2083	गुरु	10/06/2093	शनि	18/07/2111		00/00/0000
राहु	02/01/2069	गुरु	06/11/2085	शनि	19/07/2094	बुध	18/05/2114		00/00/0000
गुरु	17/07/2071	शनि	16/07/2088	बुध	17/07/2095	केतु	18/07/2115		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 5 वर्ष 1 मा 16 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तृतीयपाद से मिथुन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय स्वरूप से स्पष्ट रूपेण यह सूचित हो रहा है कि आप अपने जीवन में धन-संपत्ति संग्रह करने की क्रिया को महत्व देंगी। परंतु यदि आप अपनी जीवन वृत्ति के लिए बिना मार्गदर्शन लिए ही किसी प्रकार की अगुआई कीं तो परिणाम स्वरूप बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। अन्य राशियों की वास्तविकता मिथुन लग्न एवं नवांश का प्रभाव जितना यौगिक शक्ति संपन्न है उतना ही क्षति कारक भी है। ऐसे जातक के जीवन में स्वतः सहजता पूर्वक कर्म पथ पर व्यवधान उत्पन्न हो जाते है। परंतु आप उस दिक्कतों को निष्पादन कर सकती हैं।

आप लंबी आकृति की कृशकाय एवं चमकीली आंखों वाली उदाहरणीय प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्राणी को बहुत पसंद करते है। फलस्वरूप आप पुरुष के प्रति आकर्षित तथा कामोत्तेजित होकर आनंद विभोर एवं आसक्त हो जाती हैं। इस प्रवृत्ति से आपके स्वास्थ्य ही नही बिगड़ेगे। बल्कि इसी बिंदु पर आपका (घरेलू) पारिवारिक वातावरण दुषित हो जाएगा तथा घरेलू शांति भंग हो जाएगी। सर्वदा कामोत्तेजना एवं मैथुन क्रिया अर्थात् वासनायुक्त कार्यकलाप के परिणामस्वरूप, आपकी प्रजनन शक्ति दुर्बल तथा संतानोत्पत्ति की संभावना क्षीण हो जाएगी। अन्य के साथ कामवासना युक्त होना चिरस्थायी सिरदर्दी के मूल कारण बन जाएंगे। क्योंकि मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित जातक अति सतर्कता पूर्वक अपने जीवन संगिनी का चयन कर लेते हैं। यह स्वाभाविक गुण उन में विद्यमान रहती है। पति-पत्नी का आपसी संबंध और सेवा भावना की अति उत्तमत्ता हेतु इन दोनों का जन्म लग्न या राशि चिह्न सिंह, तुला मेष एवं कुंभ राशि हो, तो इनका पारिवारिक जीवन अपेक्षाकृत संतुलित रहता है।

आप में अत्यंत दुर्बलता यह है कि मिथुन राशि के अंतर्गत आपका जन्म आपको अस्थिर बुद्धि का बना दिया है। इन राशि लग्न से प्रभावित प्राणी अपने मन को कार्य के अनुरूप अपने हाथ से नही बना पाते- क्योंकि इनमें दृढ़ता पूर्वक एकाग्रता के अभाव को दूर करने में असफलता विद्यमान है। ये उतावलेपन और अस्थिर बुद्धि से किसी भी योजना को बदल कर अपने नये कार्य को करने का विकल्प कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप सभी कलाओं में प्रवीण रह कर भी कार्य को नहीं संभाल पाते है। ये स्थिरता पूर्वक कार्य को संपादन नहीं कर अनेकों बार अपने कार्य व्यवसाय को परिवर्तित करते हैं।

ये हर दशा में धैर्य धारण करते हैं तथा ये सदैव ही अवाधगति से चलते रहना चाहते हैं। ये कुछ क्षणों के पश्चात् अन्य कार्य योजना को ग्रहण कर एवं उसे शीघ्र सफल कर लेना चाहते हैं। परिणाम स्वरूप निश्चित समय पर उसका परिणाम असंभाव्य हो जाता है।

अतः मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित प्राणी बिना विराम लिए ही कार्यरत रहते हैं। इसके प्रभाव से उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। क्योंकि ऐसे प्राणी स्थिर नहीं रहते। ये सदैव चिंतित अर्थात् चिंताग्रस्त रहते हैं। इस प्रकार ये आक्रांत होकर, व्यापक रूप से, इन्फ्ल्यूऐंजा,

कंठ रोग, स्त्री संबंधी गुप्त रोग एवं अंग खंडित हो जाए, इस प्रकार के रोग से पीड़ित होते हैं। इस प्रकार के जातक को यथेष्ठ रूप से इस प्रकार के रोगों में विश्राम एवं शयन करना चाहिए। साथ ही श्वांस सम्बन्धी व्यायाम इनके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

इनके लिए अनुकूल एवं उपयुक्त व्यवसायों में ट्रेवल एजेंसी, शेयर, निवेशक विधि, सिनेमा का धंधा, एकाउंटेंसी बैंकिंग कार्य, तेल व्यवसाय, श्रृंगार प्रसाधन पेय, मदिरा एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय अनुकूल है। ये यदि चाहें तो अच्छी सफलता हेतु पराविज्ञान संस्थागत सेवा एवं धार्मिक कार्य कर सकते हैं। अपने जीवन में उत्तमता हेतु मिथुन प्रभावित प्राणी के लिए निम्नांकित निर्देश अनुकरणीय है।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके जीवन से संबंधित कतिपय अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली हैं। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अप्रासंगिक हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग हरा, गुलाबी जामुनी रंग, पीला और नीला रंग है। जबकि इसके अतिरिक्त रंग काला, एवं लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित होगा।